अभिरूचि (Aptitude)

क्या है?

अभिरूचि किसी क्षेत्र विशेष से संबंधित कौशल को सीखने की अथवा ज्ञानार्जन की जन्मजात या अर्जित क्षमता है।

आमतौर पर अभिरूचियाँ जन्मजात होती हैं लेकिन वे अर्जित भी हो सकती हैं।

सिविल सेवा के लिये अभिरूचि (Aptitude for Civil Services)

एक अच्छे सिविल सेवक में निम्नलिखित अभिरूचियाँ होनी चाहिये:

(i) भाषा पर सूक्ष्म पकड़ ताकि निर्णयन प्रक्रिया के समय नोटिंग और ड्राफ्टिंग में कोई समस्या ने हो।

(ii) उच्च तार्किक क्षमता।

(iii) निर्णयन व समस्या समाधान की सटीक क्षमता।

(iv) गणित तथा आँकड़ों को समझने की क्षमता।

(v) संचार तथा संप्रेषण का कौशल, जिसके माध्यम से समाज को उचित नेतृत्व प्रदान किया जा सके।

(vi) अपने आस-पास तथा विश्व की घटनाओं और समस्याओं को जानने तथा समझने की सामान्य आदत।

अभिरूचि व बुद्धिमत्ता (Aptitude and Intelligence)

सामान्यत: बुद्धिमत्ता के अंतर्गत हम व्यक्ति की सामान्य बौद्धिक क्षमताओं को मापते हैं जबकि अभिरूचि का संबंध एक क्षेत्र विशेष से होता है।

यह संभव है कि सामान्य बुद्धिमत्ता का उँचा स्तर होने के बाद भी किसी क्षेत्र विशेष के अभिरूचि परीक्षण में कोई व्यक्ति अच्छा निष्पादन न कर सके।

अभिरूचि व रूचि (Aptitude and Interest)

किसी व्यक्ति में किसी क्षेत्र के प्रति अभिरूचि का स्तर अधिक हो पर रूचि बिल्कुल न हो तो उस व्यक्ति की सफलता संदिग्ध होगी। जैसे-किसी व्यक्ति में शतरंज खेलने के लिये आवश्यक उँची तार्किक क्षमता है किंतु उसे शतरंज खेलना पंसद नहीं है।

जिस व्यक्ति में उच्च रूचि तथा उच्च अभिरूचि दोनों की एक साथ उपस्थिति का संयोग मिलता है वे अपने क्षेत्र में अतिशय सफल होते हैं, जैसे-सचिन तेंदुलकर, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आदि।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aptitude